29.6.12. MAHAMEGHA

नई दिल्ली, शुक्रवार 29 जून, 2012

किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने पर होगा विचार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जरिए सरकार किसानों को अधिक और लाभकारी मूल्य दिलाने पर विचार करेगी। श्री यादव ने गुरुवार को यहां अपने सरकारी आवास पर विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों की शीर्ष संस्था कन्सोरिटयम ऑफ इण्डियन फार्मर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात के दौरान कहा कि किसानों के हित में उनकी सरकार जल्दी ही आवश्यक निर्णय लेगी।

उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि उत्पादन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश को अन्य राज्यों के मुकाबले किसानों को बेहतर सुविधाएं देने वाला राज्य बनाने के बारे में गंभीरता से विचार करके शीघ्र ही उचित फैसला लिया जाएगा। उन्होंने किसान नेताओं को बताया कि उनकी सरकार गन्ना किसानों के हितों में भी अधिक उदार नीतियों को अपनाने पर विचार कर रही है जिससे गन्ना किसान और चीनी उद्योग मिलकर प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे सकें। श्री यादव ने कहा कि चीनी उत्पादन की बेहतर तकनीकी, गन्ने की पेराई से प्राप्त अपशिष्ट के पुनर्चक्रण (रिसाइकिलिंग) एथनॉल तथा विद्युत उत्पादन के माध्यम से किसानों को बेहतर लाभ तथा इस क्षेत्र में नए रोजगारों के सृजन की संभावनाओं को भी मूर्तरूप दिया जाएगा।

- मुख्यमंत्री ने कंसोरिटयम ऑफ इण्डियन फार्मर्स एसो. के प्रतिनिधिमण्डल को दिया आश्वासन
- हर मामले में किसानों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए फैसला लेगी सरकार : अखिलेश

इस क्षेत्र पर यदि पहले ध्यान दिया गया होता तो प्रदेश की आर्थिक समृद्धि और बढ़ती तथा राज्य को विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होती। उन्होंने कहा कि अगले दो सालों के भीतर प्रदेश की चीनी मिलों के जरिए ही अतिरिक्त बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उनकी सरकार सभी संभव उपाय करेगी।

सरकार का प्रयास होगा कि इस अतिरिक्त बिजली उत्पादन से गांवों को अधिक और सुनिश्चित बिजली की आपूर्ति की जा सके। उन्होंने किसान नेताओं द्वारा प्रस्तुत तीन ज्ञापनों में वर्णित सुझावों पर यह भरोसा दिया कि सरकार इनका परीक्षण कराकर हर मामले में किसान के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए फैसला लेगी। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमण्डल में शामिल किसान नेताओं ने राज्य कृषि आयोग गठित करने, खेती में कारोबारी स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने तथा बेहतर कृषि उत्पादन के लिए राज्य में बायो टेक्नोलॉजी के माध्यम से कीटाणुओं, बीमारियों से बचाव, बेहतर फल सब्जियां और खाद्यान्न उगाने, भण्डारण के दौरान उत्पादों की लम्बे समय तक सुरक्षा करने, जलभराव एवं जल अभाव वाले इलाकों के अनुरूप अधिक उत्पादन देने वाली लाभकारी फसलें उगाने, बीजों की गुणवत्ता और रोगमुक्तता सुनिश्चित करने तथा परिवहन के दौरान पोषक तत्वों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के बारे में सुझाव दिए।

आधुनिक तकनीकों, बड़े पैमाने पर निवेश, कृषि उत्पादों की सुनियोजित मार्केटिंग तथा प्रबंधन के